युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन” की घोषणा की

चर्चा में क्यों ?

- केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 18 से 20 जुलाई 2025 तक वाराणसी में 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' विषय पर 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' के आयोजन की घोषणा की।

Result Mitra

मुख्य बिंदु :

- इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवा शक्ति को सशक्त बनाना और नशामुक्त समाज की दिशा में काम करना है।
- इस सम्मेलन में 100 आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाएं नशा-विरोधी अभियान का नेतृत्व करेंगी। सम्मेलन में 500 युवा प्रतिनिधि विचार-विमर्श करेंगे और नशा उन्मूलन के लिए कार्यान्वयन योग्य रणनीतियाँ बनाएंगे।
- सम्मेलन के समापन पर ऐतिहासिक 'काशी घोषणापत्र' का अनावरण किया जाएगा, जिसमें नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय रोडमैप तैयार किया जाएगा।

शिखर सम्मेलन के विषय:

- सम्मेलन में चार प्रमुख विषयों पर चर्चा की जाएगी:

1. नशे की लत और युवाओं पर इसका प्रभाव
2. नशा तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करना

3. प्रभावी नशा-विरोधी अभियान

4. 2047 तक नशामुक्त भारत के लिए प्रतिबद्धता तैयार करना

- इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से नशे के स्रोतों की पहचान और उन्हें समाप्त करने के लिए एक व्यापक जन आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।
- केंद्रीय मंत्री ने 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष पदयात्रा की घोषणा की। यह पदयात्रा माई भारत के स्वयंसेवकों और सेना के प्रतिनिधियों द्वारा की जाएगी और यह 'फिट इंडिया अभियान' को बढ़ावा देने के साथ हमारे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेगी।

निष्कर्षत:

- यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

Result Mitra